tions of Ergot as fixed dose combinations of Ergot are considered harmful. However, combination of its alkaloid Ergotamine with Caffeine which is specifically indicated for Migraine and where each of the ingredients plays a role in combating the attack of Vasograine headache is not covered by the ban. Migranil, Cafergot, Vasogram and Migril, contain Ergotamine tartrate and Caffeine and as such these drugs continue to be marketed in the country.

DTC drivers without valid driving licence

2394. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it has come to Government's notice that in majority of the cases the drivers of the private buses under DTC operation have no proper or valid driving licences but only 'duplicates' or a police report in evidence of the loss of their licences;

(b) if so, what is the number ol such cases detected so far stating the measures taken by Government to ensure that the public transport is run only by licensed drivers for the safety of the passengers and the vehicles;

(c) whether it is also a fact that the drivers and conductors of DTC buses are, under the rules, required *to* be in their uniforms and wear name badges while on duty; and

(d) whether these rules are being complied in letter and spirit; if not, what steps have been taken by Government to ensure strict adhearance of the rule9 in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT) (a) and (b) Instances of drivers of private bus under DTC operation possessing duplicate vaad licences issued by the competent authority have to come to the notice of DTC. The Delhi Police have also reported that there had been 5 cases detected during 1-1-85 to 12-3 86, where drivers of private buses under DTC operation were found without driving licences. In order to ensure that the vehicles are driven by those possessing valid driving licences, the Deihi Traffic Police keeps on checking from time to time the driving licences. The DTC has recently issued instructions to all the private operators running their buses under DTC to display passort size photograph of the drivers, duly attested from the Regional Manager of DTC, in the drivers cabin in the bus. This is with a view to eliminate chances of a person other than the duly authorised driver to operate the bus.

(c) and (d) Yes, Sir. The crew of DTC buses found without proper uniform i$_s$ challanned. DTC management has been asked to ensure strict enforcement of the rules regarding wearing of uniforms and name-badges.

भागलपुर-हावड़ा एक्सप्रेस का जमालपुर तक बढ़ाया जाना

2395. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मंगेर जमालपुर-बरियारपुर-सुल्तानगंज के क्षेत्रों के निवासियों से भागलपुर-हावड़ा एक्सप्रेस को जमालपुर तक बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है ; और

(ख) क्या सरकार इसे जमालपुर तक बढ़ाने का विचार रखती है ?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिन्धिया) : (क) जी हां ।

(ख) जी नहीं ।

दिल्ली प्रशासन के अस्पताल

2396. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे अस्पतालों की संख्या कितनी है, उनमें कितनी शैयाएं (बैड) हैं और इन शैयाओं के लिए किन दरों पर पैसा चार्ज किया जाता है ;

(ख) दिल्ली में गंगाराम अस्पताल जैसे प्राइवेट अस्पताल कितने है, सरकार द्वारा उन्हें अब तक किस प्रकार की सहायता दी गई है, उनमें कितनी शैयाएं हैं और वे किन दरों पर पैसा वसूल करते हैं कितनी शैयाएं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं और उनकी निगरानी किस प्रकार की जाती है; और

(ग) क्या यह सच है कि सरकारी सहायता से न्यासों द्वारा चलाये जाने वाले ये अस्पताल अपने यहां शैयाओं के लिये मनमाने दाम वसूल कर रहे हैं और यदि हां, तो निर्धन रोगियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार क्या उपाय करने का विचार रखती है?

परिवार कल्याण विभाग में उप-मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) दिल्ली प्रशासन ने सूचित किया है कि दिल्ली में उनके नियन्त्रणाधीन 10 अस्पताल हैं जिनकी कुल पलंग क्षमता 2528 है । इन पलंगों के लिए रोगियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है ।

(ख) और (ग) दिल्ली प्रशासन ने सूचित किया है कि दिल्ली में कुल 2777 पलंगों की क्षमता वाले 17 ऐसे निजी अस्पताल हैं । दिल्ली प्रशासन के पास निशुल्क पलंगों के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं है । इन अस्पतालों को दिल्ली उपचर्या पंजीकरण अधिनियम 1953 के अंतर्गत पंजीकृत करना जरूरी है । इस अधिनियम में ऐसी कोई धारा नहीं है जिसके अन्तर्गत निजी अस्पतालों में प्रदान की जा रही सेवाओं के लिए वसूल किये जा रहे शुल्क की दरों पर नियंत्रण रखा जा सके । ऐसे अस्पतालों को अम्बुलेंस खरीदने और अपेक्षित आवश्यक अस्पताल उपकरण प्राप्त करने के लिए पूर्णतया गुणवत्ता के आधार पर सहायता दी जाती है । दिल्ली प्रशासन इस स्थिति की समीक्षा कर रहा है जिस से यह इन अस्पतालों के कार्यकरण पर और अधिक नियंत्रण रख सके ।

1985-86 में आरम्भ किये गए वायुदूत के नये मार्ग

2397. श्री रामचन्द्र विकल : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1985-86 के वर्ष के दौरान वायुदूत की सेवाओं को किन-किन स्थानों के लिए बढ़ाया गया है ; और

(ख) 1986-87 के वर्ष के दौरान वायुदूत की सेवाएं किन-किन स्थानों के लिए आरम्भ किये जाने का विचार है ?

नागर विमानन विभाग में राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) वर्ष 1985-86 के दौरान वायुदूत द्वारा जोड़े जाने वाले स्टेशनों के नामों को दर्शाने वाला एक विवरण–I के रूप में संलग्न है । (नीचे देखिए)

(ख) वायुदूत ने उन स्टेशनों का चयन किया है जिन्हें 1986–87 में वायुदूत सेवा से जोड़ा जाना है जिसकी सूची विवरण–II पर दी गई है । (नीचे देखिए) स्टेशनों को विमान सेवा से जोड़ा जाना सरकार के अनुमोदन आधार-संरचनात्मक सुविधाओं के लिए संसाधनों की उपलब्धता और प्रचालनों की आर्थिक साध्यता पर निर्भर करेगा ।